52	म्रालया निलयः शाला सभादविसतं कुलम् ॥ ६६० ॥	65
53		01
54	म्रोको निवास म्रावासो वसितः शर्णं तयः ॥ ३६१ ॥	
55	धामागारं निशातं च	23
56	कुद्भिं वस्य बद्धभूः । जन्मा	23
57		43
58	सीधं तु नृपमिन्द्रम् ॥ १६२ ॥ ॥ ॥ ।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।।	22
59		97
60	सिंग्हदारं प्रवेशनम् ॥ ततावर ॥ ।।।।।।।।।।	77
61		
62		
63	मठावसथ्यावसथाः स्युच्हात्त्रव्रतिवेश्मिनि ।।।।।।। हि विनित्राहित	80
64	पर्णशालारत- विकास के किया किया के किया किया के किया के किया के किया किया किया के किया के किया किया किय	18
65	2 - 2 -	82
66		83
67	भाएडागारं तु कोषः स्या-जुला विकास किला कार्यानिका	48
68	अ. Urt, wo die geringeren Metalle auf bewahrt werden (2 W.).	
	CC 7 D	

56. Zum Bau eines Hauses zubereiteter Platz. — 57. Gruppe von vier Häusern (2 W.). — 58. Wohnung des Königs. — 59. Eine aus Zelten u. s. w. bereitete Wohnung für den König (2 W.). — 60. Haupteingang (2 W.). — 61. Tempel oder Residenzschloss eines Königs. — 62. Wohnung eines reichen Mannes. — 63. Wohnung für Schüler oder Asceten (3 W.). — 64. Blätterhütte der Einsiedler (2 W.). — 65. G'aina-Kloster (3 W.). — 66. Schlafzimmer (4 W.). — 67. Zimmer, in dem die Hausgeräthe u. s. w. aufbewahrt werden (2 W.). — 68. Zimmer auf dem Dache eines Hauses (2 W.).